



दैनिक जागरण

The Indian EXPRESS  
JOURNALISM OF COURAGE



दैनिक भास्कर



THE HINDU

जनसत्ता

*Party*

# CURRENT AFFAIRS

## IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

26 December



# Quote of the Day



**सही दिशा में किया गया  
अच्छा कर्म  
मनुष्य का वर्तमान और  
भविष्य दोनों बदल देता है !!**



# फिलाउआ ज्वालामुखी





## चर्चा में क्यों?



- ▶ किलाउआ, हवाई का सक्रिय ज्वालामुखी, लगातार गतिविधि का केंद्र है। इसका हालिया विस्फोट ज्वालामुखीय धुंध और सल्फर डाइऑक्साइड के कारण पर्यावरण और जीवन को प्रभावित कर सकता है।





## प्रमुख बिंदु:



- ▶ दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक, किलाउआ, सोमवार को फिर सक्रिय हो गया, 80 मीटर ऊंची लावा की धाराएं निकल रही हैं।
- ▶ ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा और लावा बम कैल्डेरा की फर्श से पश्चिम कैल्डेरा रिम तक फेंके जा रहे हैं।

(80) m



## प्रमुख बिंदु:



6000-8000

- ▶ वायुमंडल में ज्वालामुखी गैस और महीन कण 6,000-8,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच रहे हैं और हवा इसे दक्षिण-पश्चिम की ओर ले जा रही है।
- ▶ सल्फर डाइऑक्साइड अन्य गैसों के साथ प्रतिक्रिया कर रहा है, जिससे "VOG(वोग)" (ज्वालामुखीय धुंध) बन रही है, जो इंसानों, जानवरों और फसलों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।



## प्रमुख बिंदु:



ज्वालामुखी

- ▶ किलाउआ 1983 से सक्रिय है और हाल ही में सितंबर में भी इसका विस्फोट हुआ था।
- ▶ यह हवाई द्वीपों के छह सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है, जिसमें मौना लोआ, दुनिया का सबसे बड़ा ज्वालामुखी, भी शामिल है।

मौना लोआ  
दुनिया का सबसे सक्रिय  
ज्वालामुखी

# किलाउआ ज्वालामुखी के बारे में

- किलाउआ, जिसे हवाई भाषा में "बहुत फैलाव" कहा जाता है, हवाई द्वीप के दक्षिणपूर्वी हिस्से में हवाई ज्वालामुखी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है।
- यह समुद्र तल से 4,091 फीट (1,247 मीटर) ऊपर उठता है।
- इसके दो प्रमुख वेंट्स, पु'उ 'ओ'ओ और हलमा'उमा'उ, लावा प्रवाह और ज्वालामुखीय गतिविधि के मुख्य स्रोत हैं।





# किलाउआ ज्वालामुखी के बारे में

बिग आइलैंड

- यह हवाई का सबसे युवा और सक्रिय शील्ड ज्वालामुखी है, जिसे "बिग आइलैंड" पर दक्षिणी क्षेत्र में पाया जाता है।
- किलाउआ लगभग लगातार अपने शिखर (कैल्डेरा) या दरार क्षेत्रों से विस्फोट करता रहता है।



# किलाउआ ज्वालामुखी के बारे में

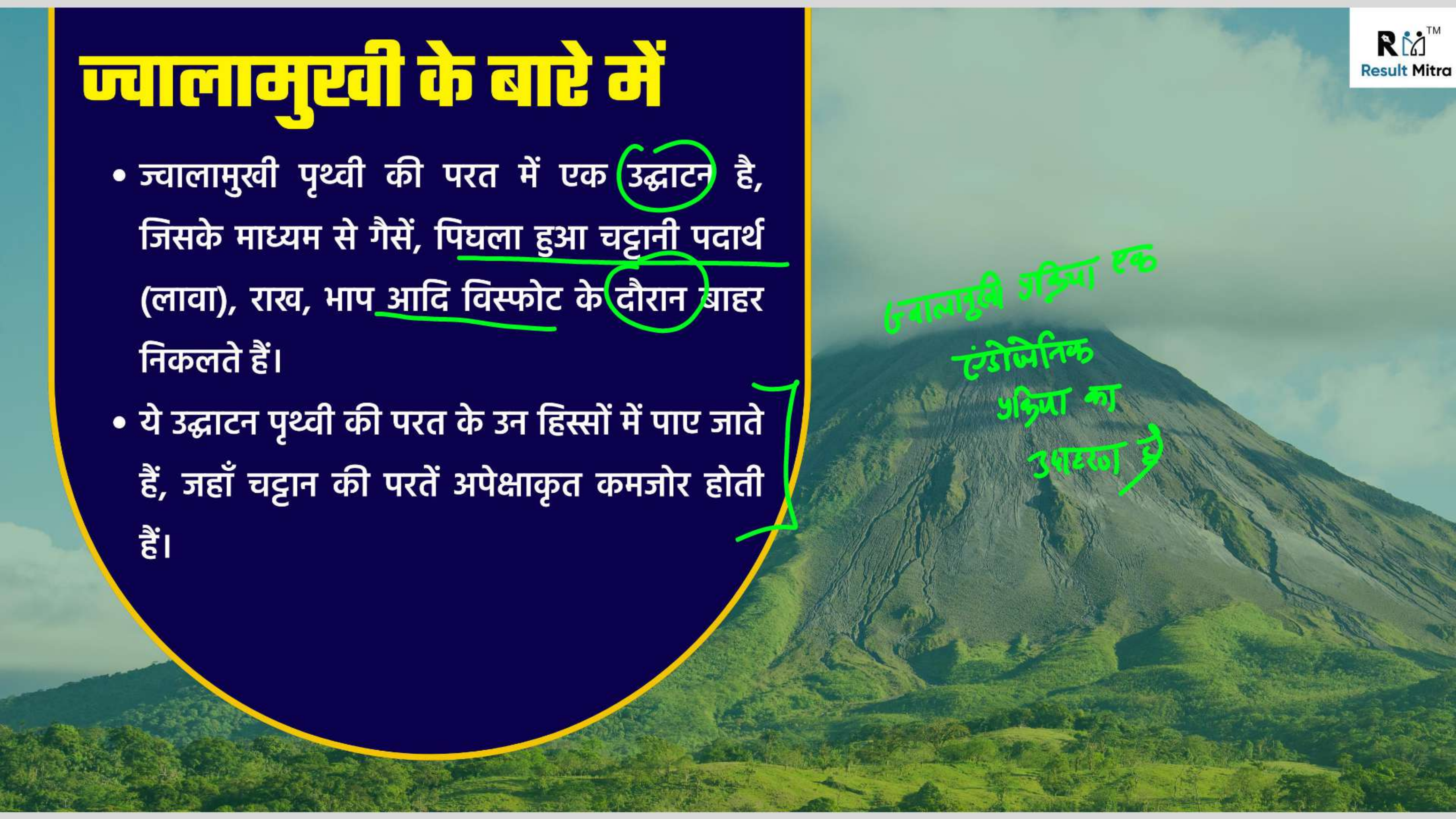
- इसके विस्फोट धीरे-धीरे लावा के निकलने (स्रावित) की विशेषता रखते हैं और अन्य ज्वालामुखियों की तुलना में कम विस्फोटक होते हैं।
- हवाई परंपरा में, इसे ज्वालामुखी देवी पेले का निवास स्थान माना जाता है। →



# ज्वालामुखी के बारे में

- ज्वालामुखी पृथ्वी की परत में एक उद्घाटन है, जिसके माध्यम से गैसें, पिघला हुआ चट्टानी पदार्थ (लावा), राख, भाप आदि विस्फोट के दौरान बाहर निकलते हैं।
- ये उद्घाटन पृथ्वी की परत के उन हिस्सों में पाए जाते हैं, जहाँ चट्टान की परतें अपेक्षाकृत कमजोर होती हैं।

ज्वालामुखी उद्घाटन एक  
तुल्यजैतिक  
प्रक्रिया का  
उदाहरण है



# ज्वालामुखी के बारे में

- ज्वालामुखीय गतिविधि एक एंडोजेनिक प्रक्रिया का उदाहरण है।
- ज्वालामुखी के विस्फोटक स्वभाव के आधार पर, विभिन्न भौगोलिक संरचनाएं बन सकती हैं, जैसे कि यदि ज्वालामुखी विस्फोटक नहीं है, तो एक पठार और यदि ज्वालामुखी विस्फोटक है, तो एक पहाड़ बन सकता है



# ज्वालामुखी के बारे में

## ज्वालामुखियों का वर्गीकरण

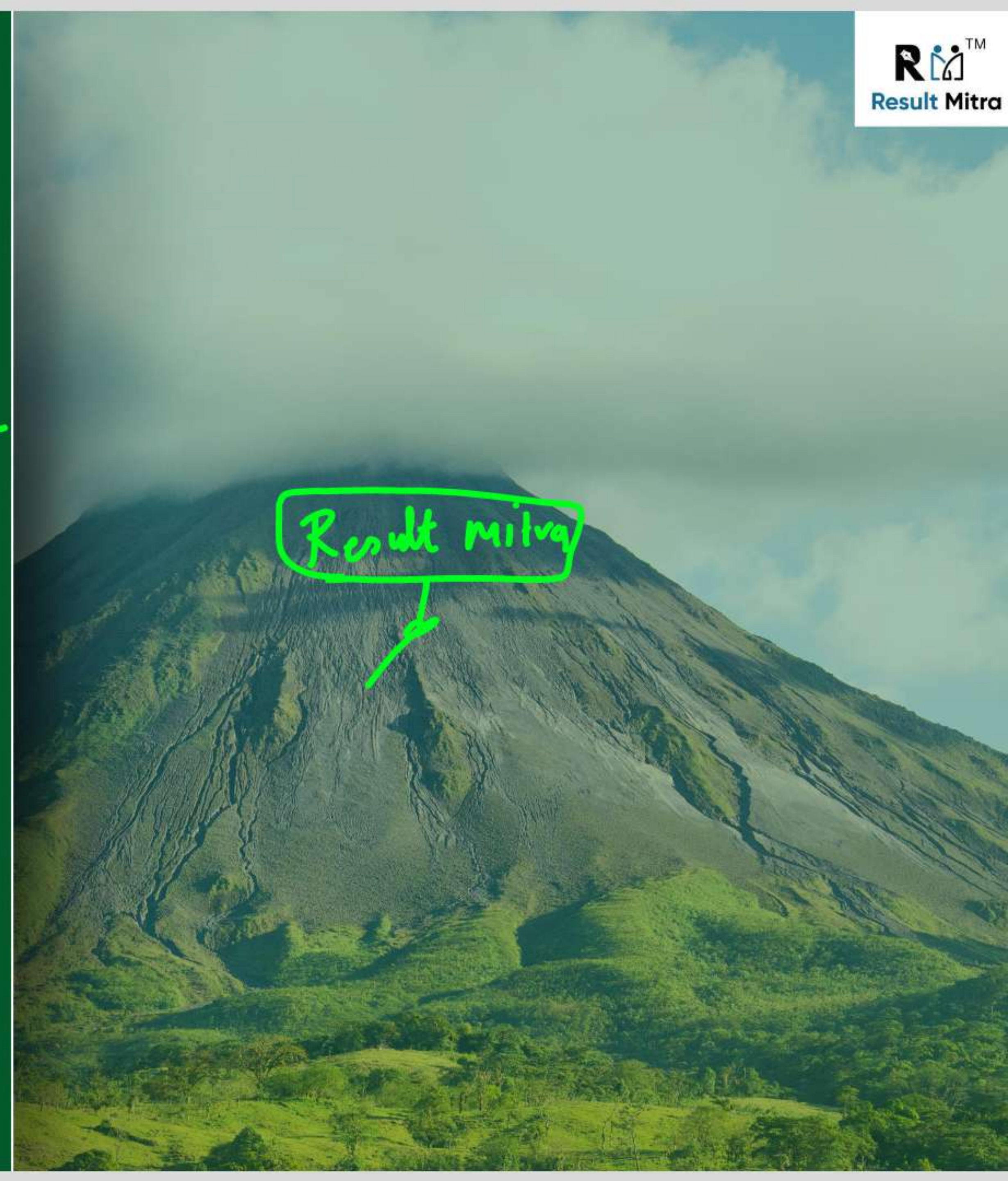
- ज्वालामुखियों को उनके विस्फोट के प्रकार और सतह पर बने स्वरूप के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।



# ज्वालामुखियों का वर्गीकरण

## शील्ड ज्वालामुखी

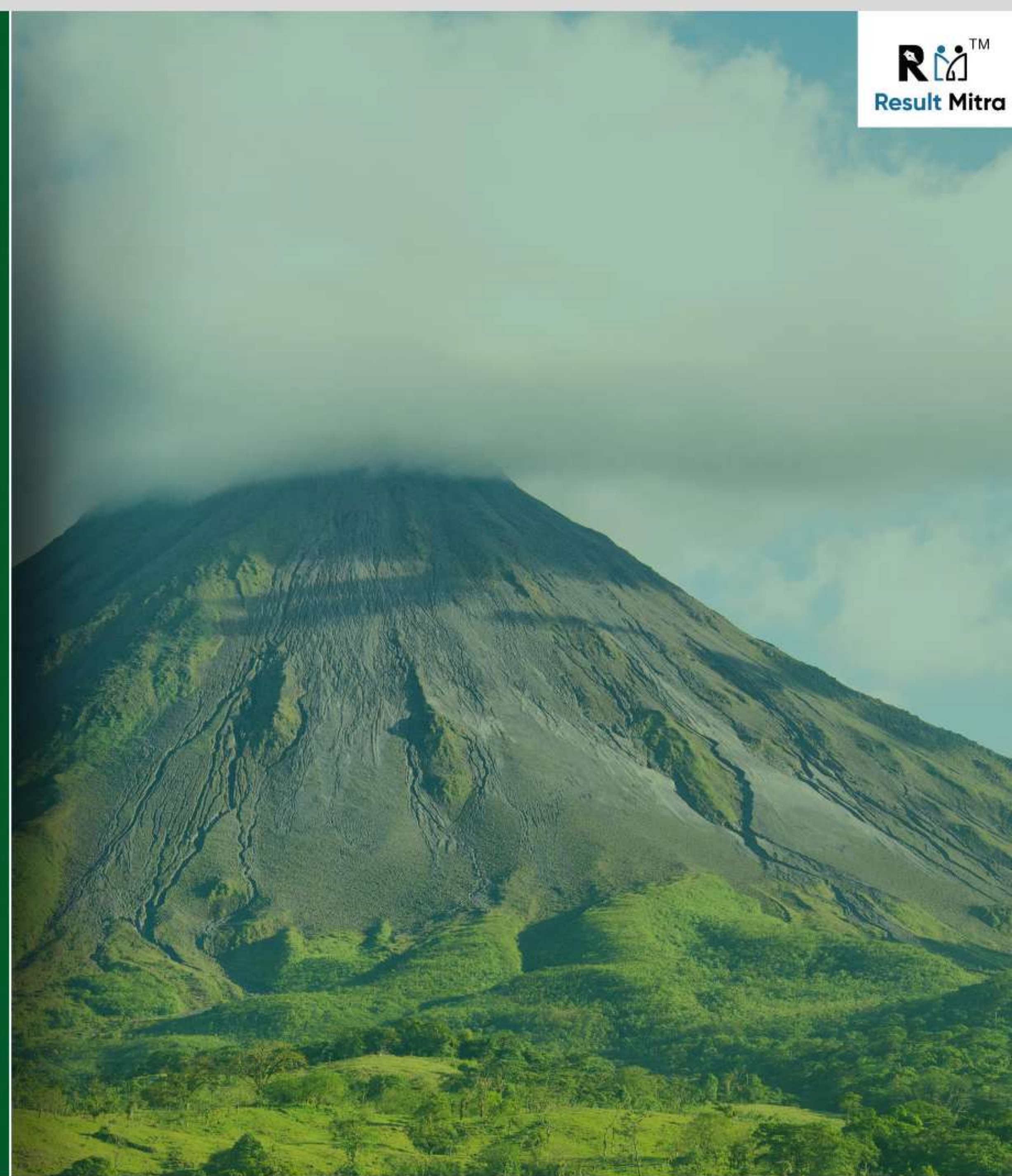
- यह चौड़े और कम ढलान वाले होते हैं, लेकिन ऊंचाई और दूरी में बहुत बड़े होते हैं। बेसाल्ट
- हवाई द्वीप के ज्वालामुखी इसके प्रमुख उदाहरण हैं।
- यह मुख्य रूप से बेसाल्ट से बने होते हैं, जो कम चिपचिपा और तरल लावा होता है।
- इनके विस्फोट आमतौर पर कम उग्र होते हैं, लेकिन अगर पानी वेंट में चला जाए, तो यह विस्फोटक हो सकते हैं।
- वेंट के ऊपर शंकु विकसित होता है, जिसे सिंडर कोन कहा जाता है।



# ज्वालामुखियों का वर्गीकरण

## सिंजर कोन ज्वालामुखी

- छोटे आकार के ज्वालामुखी होते हैं।
- यह मुख्य रूप से ढीले, दानेदार सिंजर (स्कोरिया) से बने होते हैं और इनमें लावा नहीं होता।
- इनकी ढलान बहुत तेज होती है और शीर्ष पर छोटा गड्ढा होता है।



# ज्वालामुखियों का वर्गीकरण

## संयुक्त (कॉम्पोजिट) ज्वालामुखी

- शंकु आकार के होते हैं, जिनकी ढलान मध्यम होती है और शिखर पर छोटे गड्ढे हो सकते हैं।
- यह ठंडे और अधिक चिपचिपे लावा के विस्फोट से बनते हैं।
- इनका निर्माण ठोस लावा प्रवाह और राख व अन्य सामग्री की परतों से होता है।
- ये आमतौर पर उग्र विस्फोट करते हैं।





# ज्वालामुखी के बारे में

## काल्डेरा:

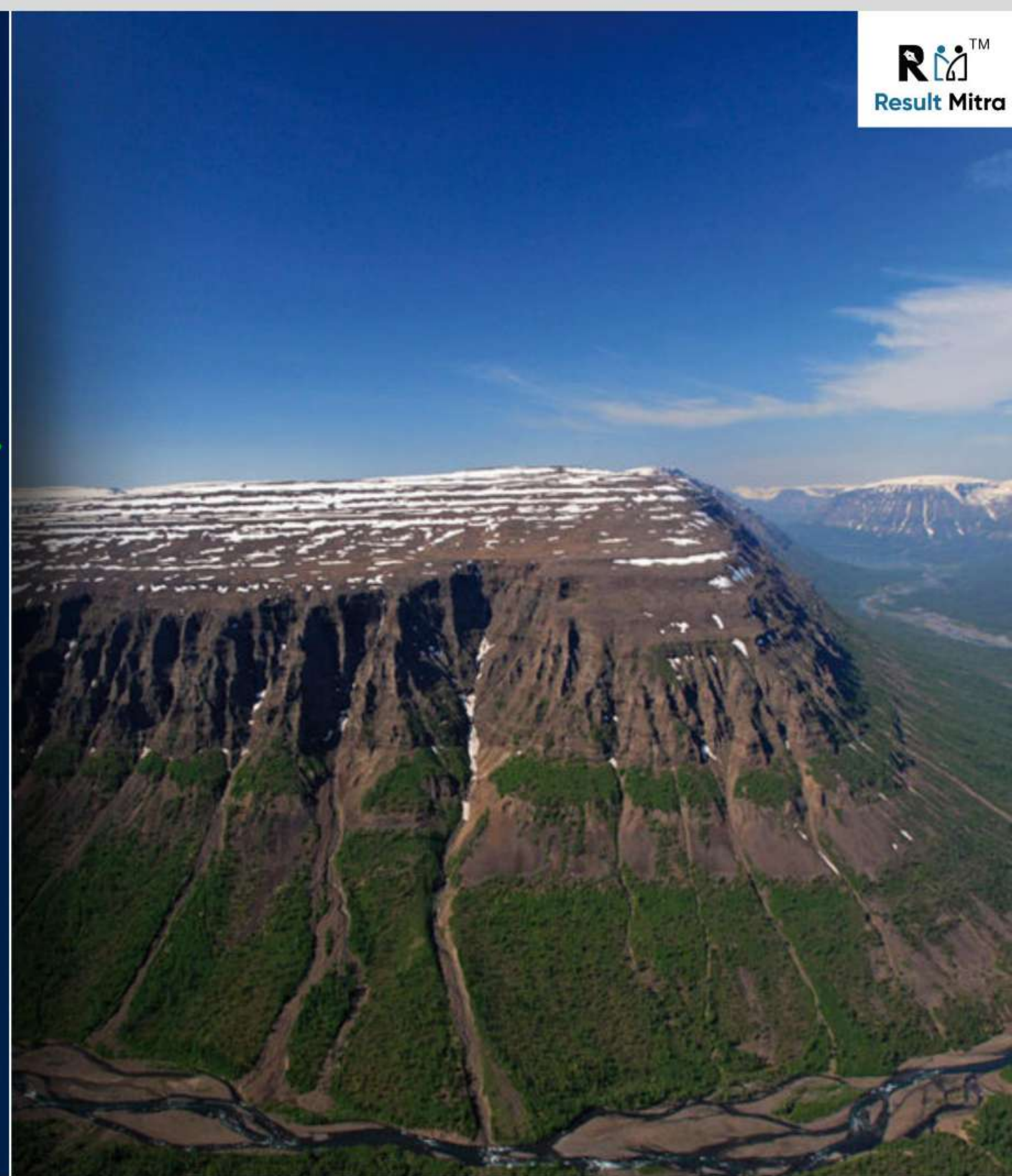
- यह पृथ्वी के सबसे उग्र ज्वालामुखी हैं।
- इनके विस्फोट के बाद संरचना ढह जाती है, जिससे बड़ा अवसाद बनता है जिसे काल्डेरा कहते हैं।
- काल्डेरा और क्रेटर में अंतर है; काल्डेरा बड़ा अवसाद होता है, जबकि क्रेटर छोटा होता है।



# ज्वालामुखी के बारे में

## फ्लड बेसाल्ट प्रांत:

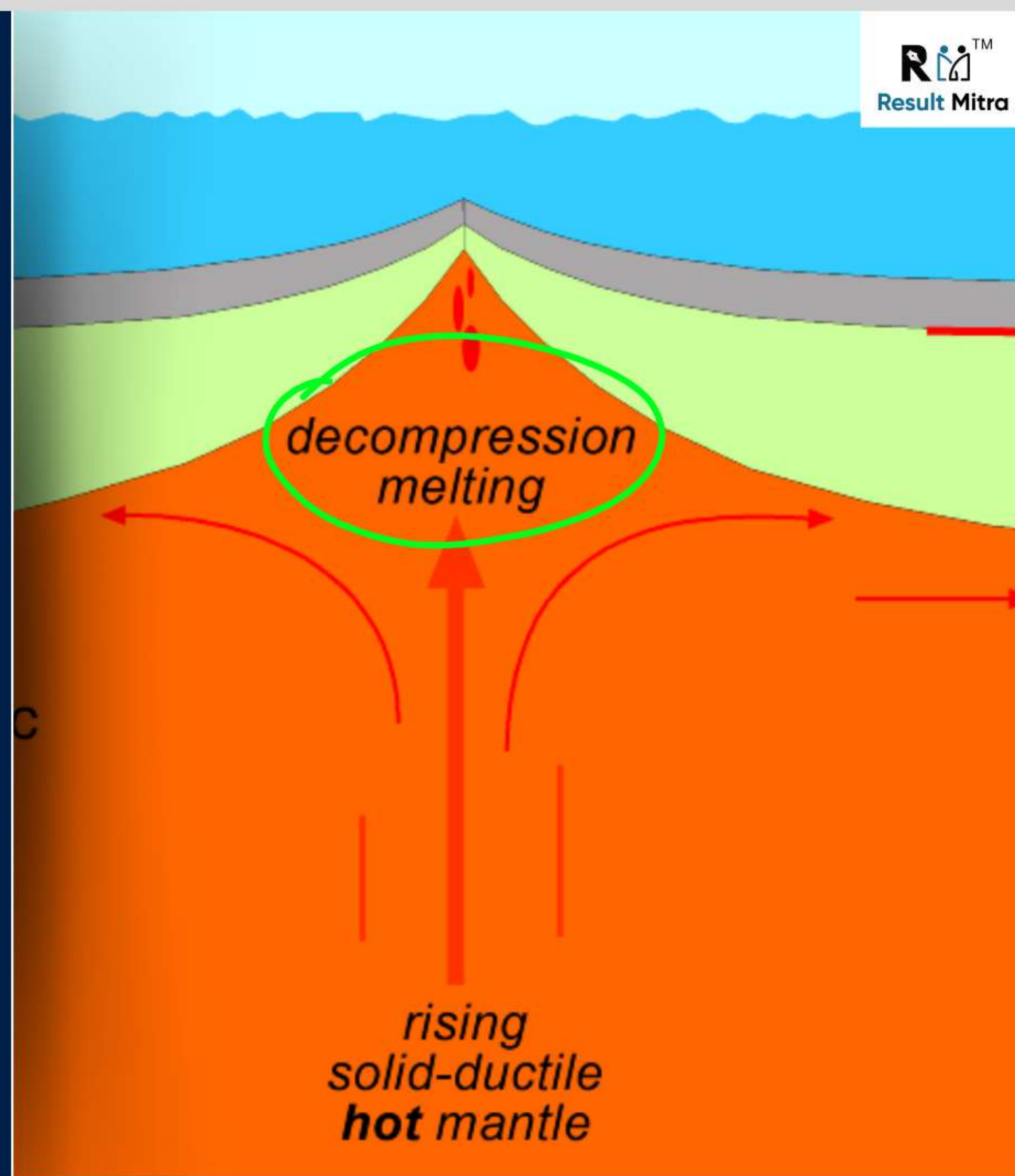
- इनमें अत्यधिक तरल लावा बाहर निकलता है, जो लंबी दूरी तक बहता है।
- भारत के डेक्कन ट्रैप्स इसका प्रमुख उदाहरण हैं।



# ज्वालामुखी के बारे में

## मध्य-महासागरीय रिज ज्वालामुखी:

- यह महासागरों में स्थित होते हैं।
- पृथ्वी पर 70,000 किमी लंबी मध्य-महासागरीय रिज प्रणाली में लगातार विस्फोट होते हैं।



# ज्वालामुखी के बारे में

## मैग्मा के उठने के कारण:

- प्लेट विवर्तनिकी के अलग-अलग होने पर मैग्मा ऊपर उठता है और पानी के नीचे ज्वालामुखी बनता है।
- प्लेटों के टकराने पर पृथ्वी की पपड़ी अंदर धकेली जाती है, जहां उच्च तापमान और दबाव से मैग्मा बनता है।
- हॉटस्पॉट्स के कारण भी मैग्मा ऊपर उठता है, क्योंकि वहां का मैग्मा कम घनत्व वाला होता है।



# हवाई द्वीप के बारे में

- हवाई संयुक्त राज्य अमेरिका का 50वां राज्य है, जो 21 अगस्त 1959 को बना।
- यह मध्य प्रशांत महासागर में स्थित एक ज्वालामुखीय द्वीपसमूह है।
- हवाई सैन फ्रांसिस्को (कैलिफोर्निया) से 2,397 मील (3,857 किमी) पूर्व और मनीला (फिलीपींस) से 5,293 मील (8,516 किमी) पश्चिम में है।

- 
- संयुक्त राज्य अमेरिका का 50वां राज्य है
- 21 अगस्त 1959 को बना
- मध्य प्रशांत महासागर में स्थित

# हवाई द्वीप के बारे में

- इसकी राजधानी होनोलूलू है, जो ओआहू द्वीप पर स्थित है।
- हवाई की अर्थव्यवस्था विविध कृषि, विनिर्माण, और पर्यटन पर आधारित है।
- यहां महासागर विज्ञान, भूभौतिकी, खगोल विज्ञान, उपग्रह संचार, और बायोमेडिसिन में शोध और विकास कार्य महत्वपूर्ण हैं।



# हवाई द्वीप के बारे में

Square

- इसे "प्रशांत का चौराहा" कहा जाता है और यह अमेरिका की वैश्विक रक्षा प्रणाली और प्रशांत बेसिन के परिवहन केंद्र में रणनीतिक रूप से अहम है।
- हवाई एक सांस्कृतिक केंद्र और प्रमुख पर्यटन स्थल है।
- हवाई का भूमि क्षेत्र ज्वालामुखीय पर्वतों की एक श्रृंखला के शिखरों से बना है, जिसमें 8 प्रमुख द्वीप और 124 छोटे द्वीप शामिल हैं।



# हवाई द्वीप के बारे में

- यह द्वीप 1,500 मील (2,400 किमी) की अर्धचंद्राकार श्रृंखला में फैले हुए हैं, जो पश्चिम में क्योर द्वीप से पूर्व में हवाई द्वीप तक है। ✓✓
- 8 प्रमुख द्वीप हैं: निहाऊ, काउआई, ओआहु, मोलोकाई, लानाई, काहूलावे, माउई और हवाई।



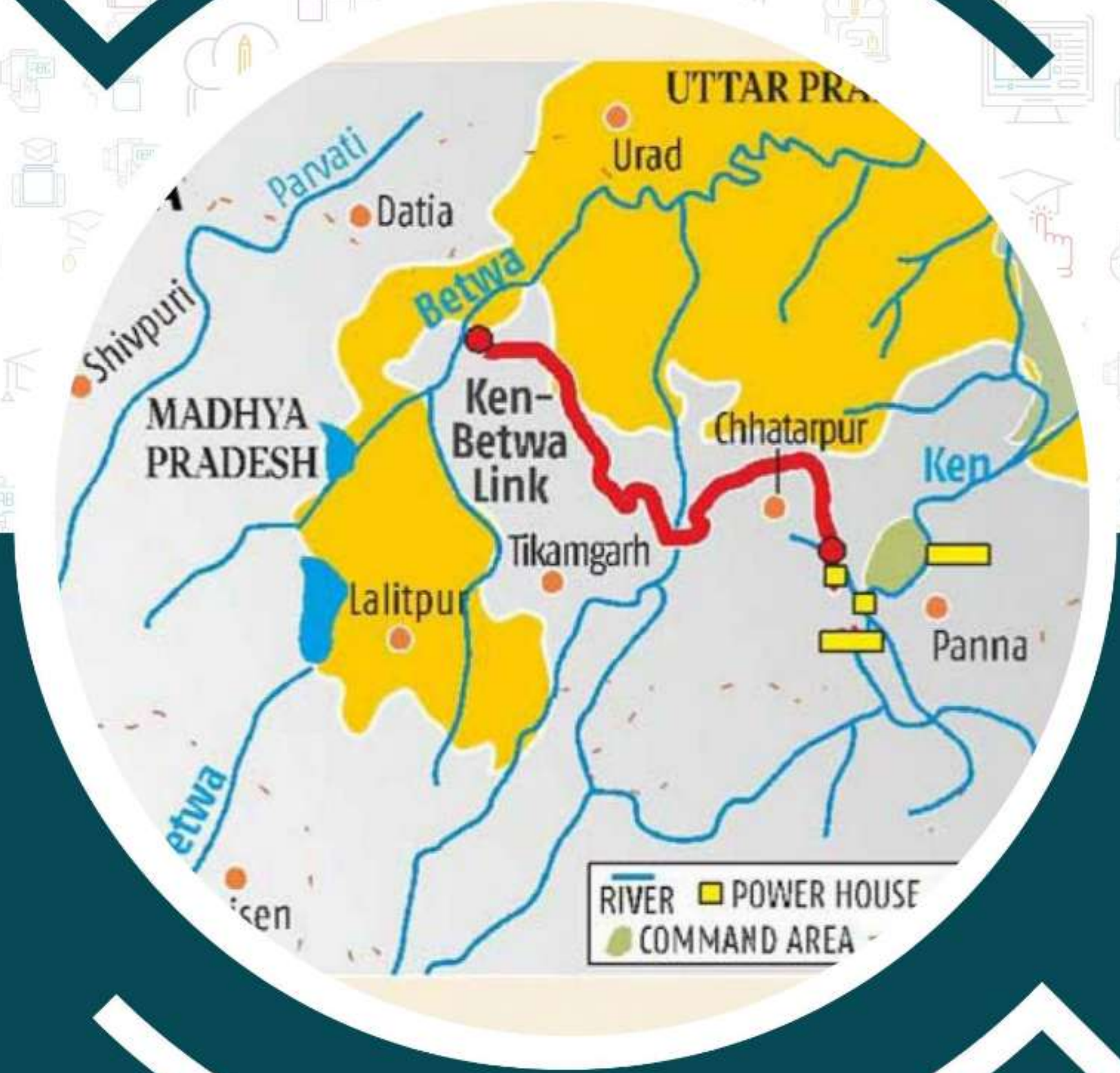


# हवाई द्वीप के बारे में

- प्रत्येक ज्वालामुखीय पर्वत प्रशांत प्लेट के एक हॉटस्पॉट के ऊपर से गुजरने के दौरान बना, जहां मैग्मा ने पपड़ी को पिघलाकर द्वीपों का निर्माण किया।
- हवाई कर्क रेखा के ठीक नीचे स्थित है और इसका हल्का उष्णकटिबंधीय जलवायु दुनिया का आदर्श मौसम माना जाता है।



# केन - बेतवा नदी लिंक परियोजना





## चर्चा में क्यों?

- ▶ केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना भारत की पहली राष्ट्रीय नदी जोड़ नीति के तहत पहल है। यह बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट को समाप्त करने, सिंचाई, पेयजल, ऊर्जा और पर्यावरण सुधार में अहम भूमिका निभाएगी।





## प्रमुख बिंदु:



- ▶ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर, 2024 को मध्य प्रदेश के खजुराहो में केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना की आधारशिला रखेंगे।
- ▶ यह परियोजना 44,605 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी।
- ▶ मध्य प्रदेश के 10 जिलों के 44 लाख और उत्तर प्रदेश के 21 लाख लोगों को पेयजल मिलेगा।



## प्रमुख बिंदु:



- ▶ परियोजना से 2,000 गांवों के 7.18 लाख किसान परिवारों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा।
- ▶ यह परियोजना 103 मेगावाट जलविद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करेगी।
- ▶ बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट खत्म करने और आर्थिक, सामाजिक, और पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसे शुरू किया गया है।



## प्रमुख बिंदु:



- ▶ परियोजना में 77 मीटर ऊंचा और 2.13 किमी लंबा दौघन बांध बनाया जाएगा।
- ▶ केन नदी का अतिरिक्त पानी 221 किमी लंबी लिंक नहर के माध्यम से बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा।
- ▶ मध्य प्रदेश के 8.11 लाख हेक्टेयर और उत्तर प्रदेश के 59,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी।



## प्रमुख बिंदु:

- ▶ यह परियोजना चंदेला काल के ऐतिहासिक तालाबों को संरक्षित करने और पन्ना टाइगर रिजर्व में धन्यजीवों को साल भर पानी उपलब्ध कराने में मदद करेगी।



## प्रमुख बिंदु:



- ▶ परियोजना से क्षेत्र में बाढ़ की समस्या कम होगी और रोजगार अवसर बढ़ेंगे।
- ▶ 22 मार्च, 2021 को एमपी, यूपी और केंद्र सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ था।

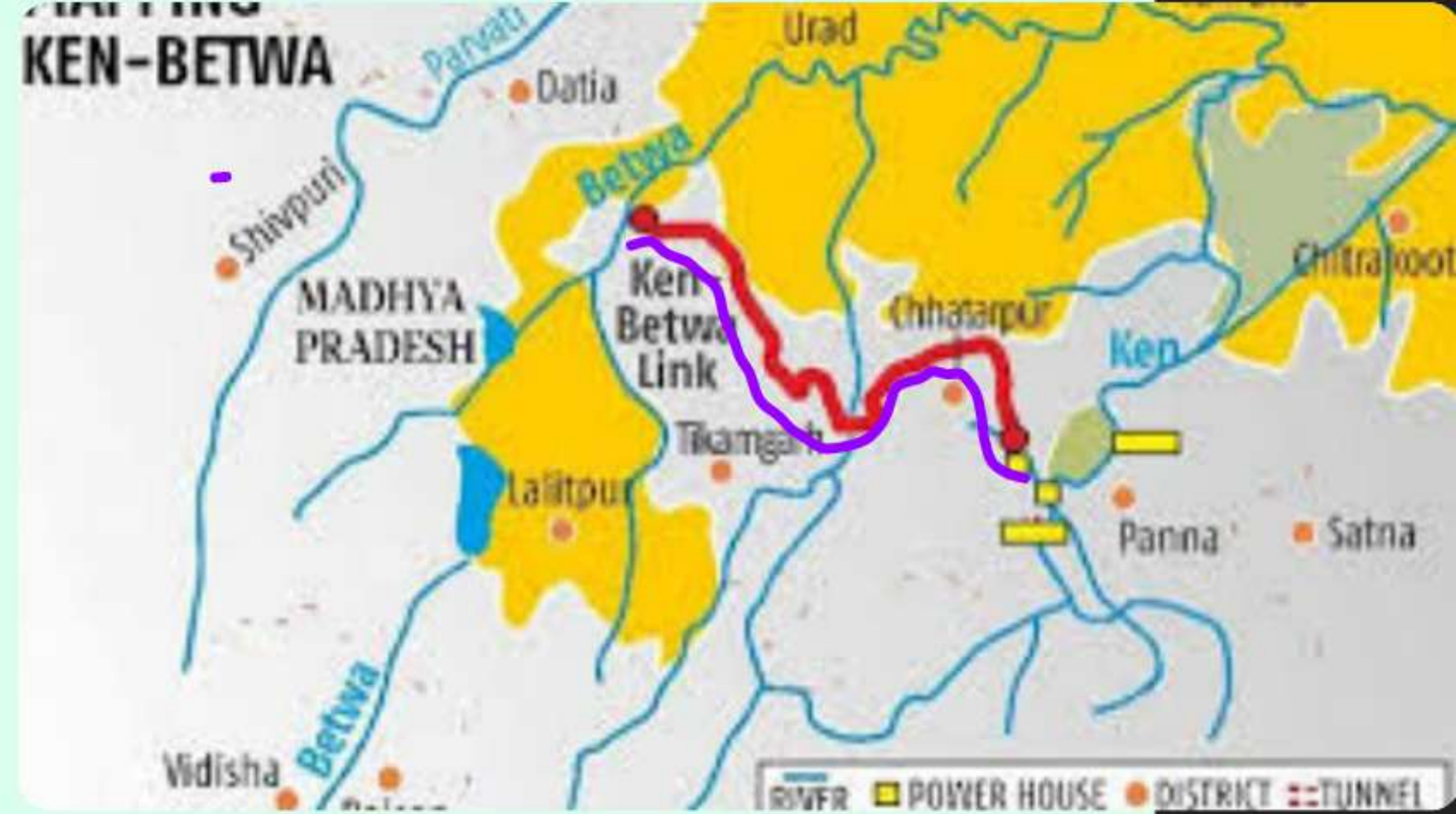


# केन-बेतवा लिंक परियोजना

## परियोजना की पृष्ठभूमि

भारत की पहली  
नदी जोड़ी परियोजना

- यह भारत की पहली नदी जोड़ परियोजना है, जिसे राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (National Perspective Plan) के तहत शुरू किया गया है।
- बुंदेलखंड क्षेत्र में जल सुरक्षा और विकास के लिए इसे महत्वपूर्ण माना जाता है।



# केन-बेतवा लिंक परियोजना

## इतिहास और समझौते:

- 2005 में, यूपी और एमपी सरकारों ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए समझौता किया।
- 2008 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया।
- मार्च 2021 में, केंद्र और दोनों राज्यों ने परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।
- दिसंबर 2021 में, केंद्र ने ₹44,605 करोड़ की लागत से परियोजना को मंजूरी दी।

UP+MP+C

10.62 लाख हेक्टेयर



# केन-बेतवा लिंक परियोजना

## परियोजना का उद्देश्य

- केन नदी से पानी को बेतवा नदी में स्थानांतरित करना।
- पानी की कमी वाले बेतवा बेसिन में पानी की आपूर्ति करना।
- कृषि, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए पानी उपलब्ध कराना।

लालापी कौरे → UP → बांदा खांसी नदी  
व्यतिरिक्त

MP → पन्ना टीकमगाढ़ धरपुर दमोड

त्रिदिशा शिवपुरी संभलख, दलिया



# केन-बेतवा लिंक परियोजना

## परियोजना की संरचना:

- दौधन बांध का निर्माण, जो पन्ना टाइगर रिजर्व के भीतर स्थित होगा।
- 230 किमी लंबी लिंक नहर का निर्माण, जो केन से बेतवा नदी तक पानी पहुंचाएगी।



# केन-बेतवा लिंक परियोजना

## परियोजना की संरचना:

परियोजना दो चरणों में विभाजित है:

- पहला चरण: दौधन बांध, नहर और जलविद्युत संयंत्र का निर्माण।
- दूसरा चरण: लोअर ओर बांध, बीना कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट और कोठा बैराज का निर्माण।

# केज-बेतवा लिंक परियोजना

## लाभ:

- 10.62 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधा।
- 62 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध होगा।
- 103 मेगावाट जलविद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन।
- जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार।
- बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि, पर्यटन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि।

# केज-बेतवा लिंक परियोजना

## लाभार्थी क्षेत्र:

- उत्तर प्रदेश: बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर।
- मध्य प्रदेश: पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी और रायसेन।

# केन-बेतवा लिंक परियोजना

## पर्यावरणीय प्रभाव:

- पन्ना टाइगर रिजर्व का लगभग 6,000 हेक्टेयर क्षेत्र डूब जाएगा।
- 9,000 हेक्टेयर जैव विविधता क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव।
- वन्यजीव, जैसे बाघ, गिद्ध, घड़ियाल, और अन्य प्रजातियों पर खतरा।



# केन-बेतवा लिंक परियोजना

## चुनौतियां और चिंताएं:

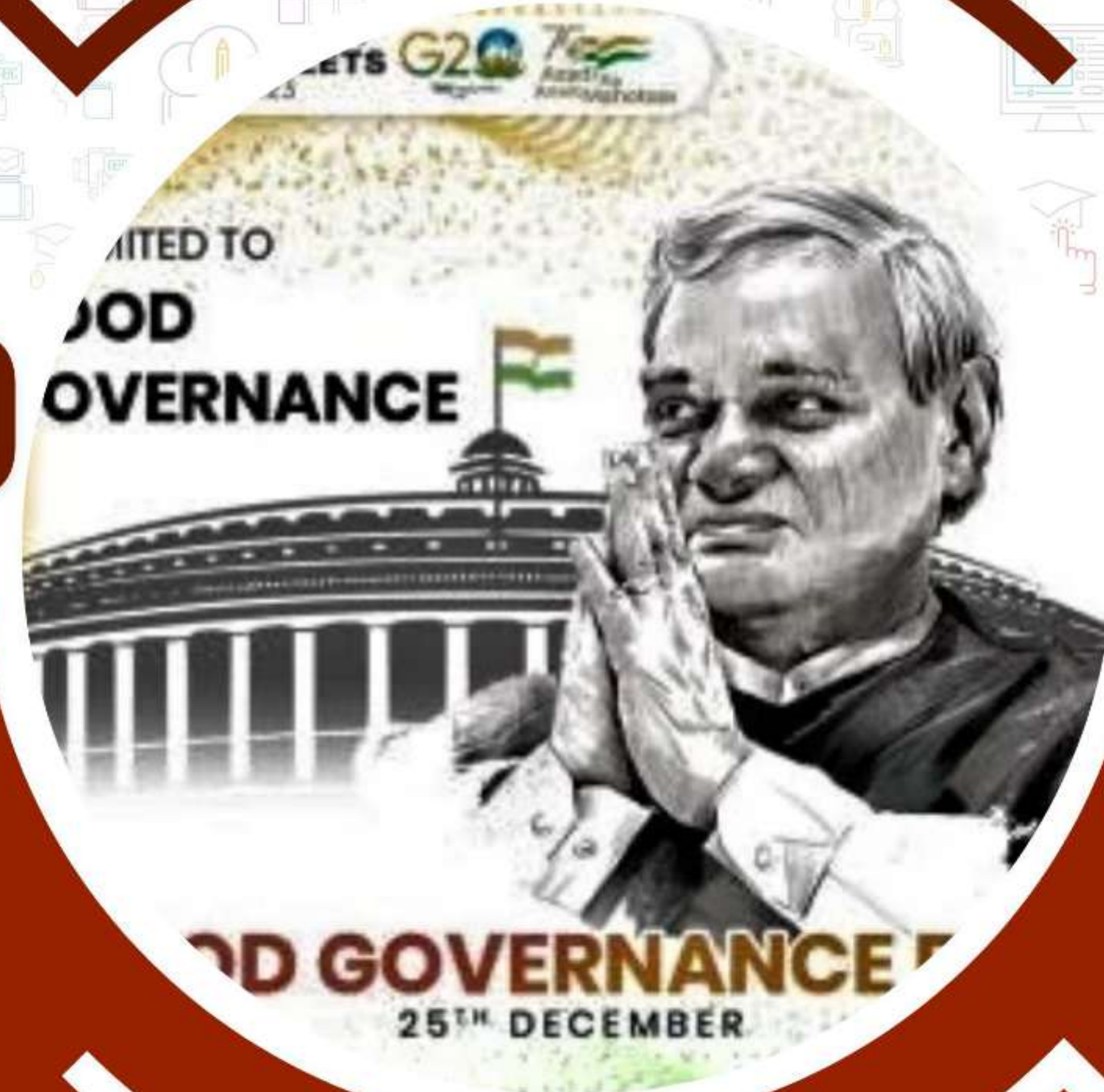
- केन नदी का गैर-स्थायी प्रवाह बेतवा की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हो सकता है।
- वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता पर प्रभाव।
- पन्ना टाइगर रिजर्व में गहरी घाटियां और वन क्षेत्र डूबने का खतरा।

# केज-बेतवा लिंक परियोजना

## महत्व:

- यह परियोजना जल संकट से जूझ रहे बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थायी समाधान प्रदान करेगी।
- किसानों के लिए सिंचाई सुविधा और जल उपयोग में स्थिरता सुनिश्चित करेगी।
- क्षेत्रीय विकास, आर्थिक उन्नति और पर्यावरणीय पुनर्वास में योगदान देगी।

# सुशासन दिवस (Good Governance Day)





## चर्चा में क्यों?

▶ हर साल 25 दिसंबर को भारत सुशासन दिवस (Good Governance Day) मनाता है। यह दिन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती और उनके सुशासन के दृष्टिकोण को सम्मानित करने के लिए समर्पित है।

1996-13 दिन का कार्यक्रम



- KCC
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
- सर्व शिक्षा अभियान
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान

32nd DECEMBER GOOD GOVERNANCE DAY

3. टंक

- संसदात्मकता का अर्थ - प्रभावी, सहाम, जवाबदेह

→ संसदों के उद्देश्य के अन्तर्गत गौरव देना

- मुख्य सिद्धान्त

- जवाबदेही और पारदर्शिता
- नागरिकों की जरूरतों के प्रति संवेदनशीलता
- कानून का शासन और लोकतंत्र



## प्रमुख बिंदु:



### सुशासन दिवस की शुरुआत:

- ▶ 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 25 दिसंबर को सुशासन दिवस घोषित किया।
- ▶ इस दिन का उद्देश्य सरकार की जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित शासन पर जोर देना है।

# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

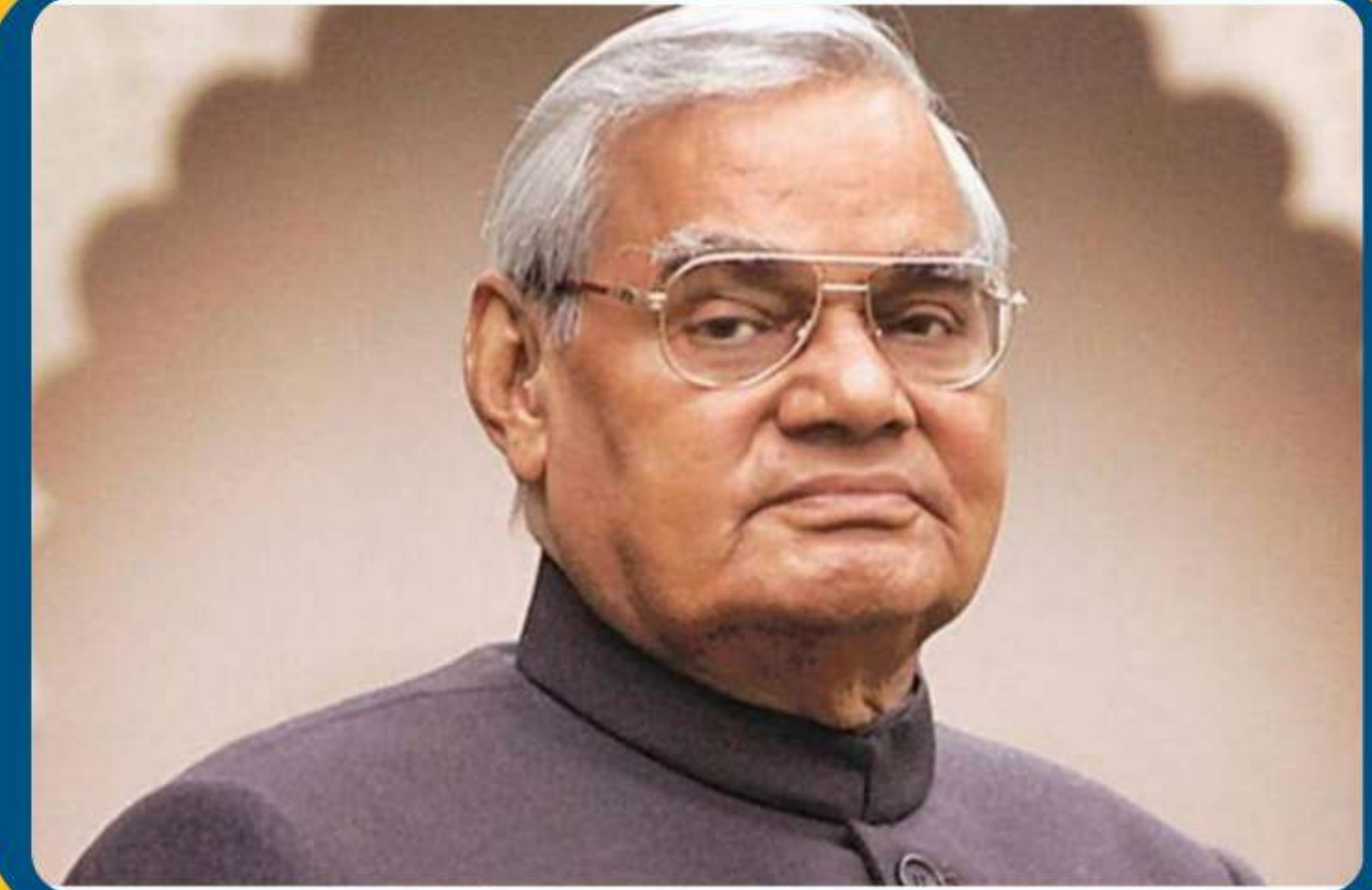
- जन्म: 25 दिसंबर 1924, ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

प्रधानमंत्री कार्यकाल: ✓✓

- 1996 में 13 दिनों के लिए। ✓✓
- 1998 से 1999 तक 13 महीनों के लिए।
- 1999 से 2004 तक पूर्ण कार्यकाल।

वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी (BJP) के पहले नेता थे जो प्रधानमंत्री बने।

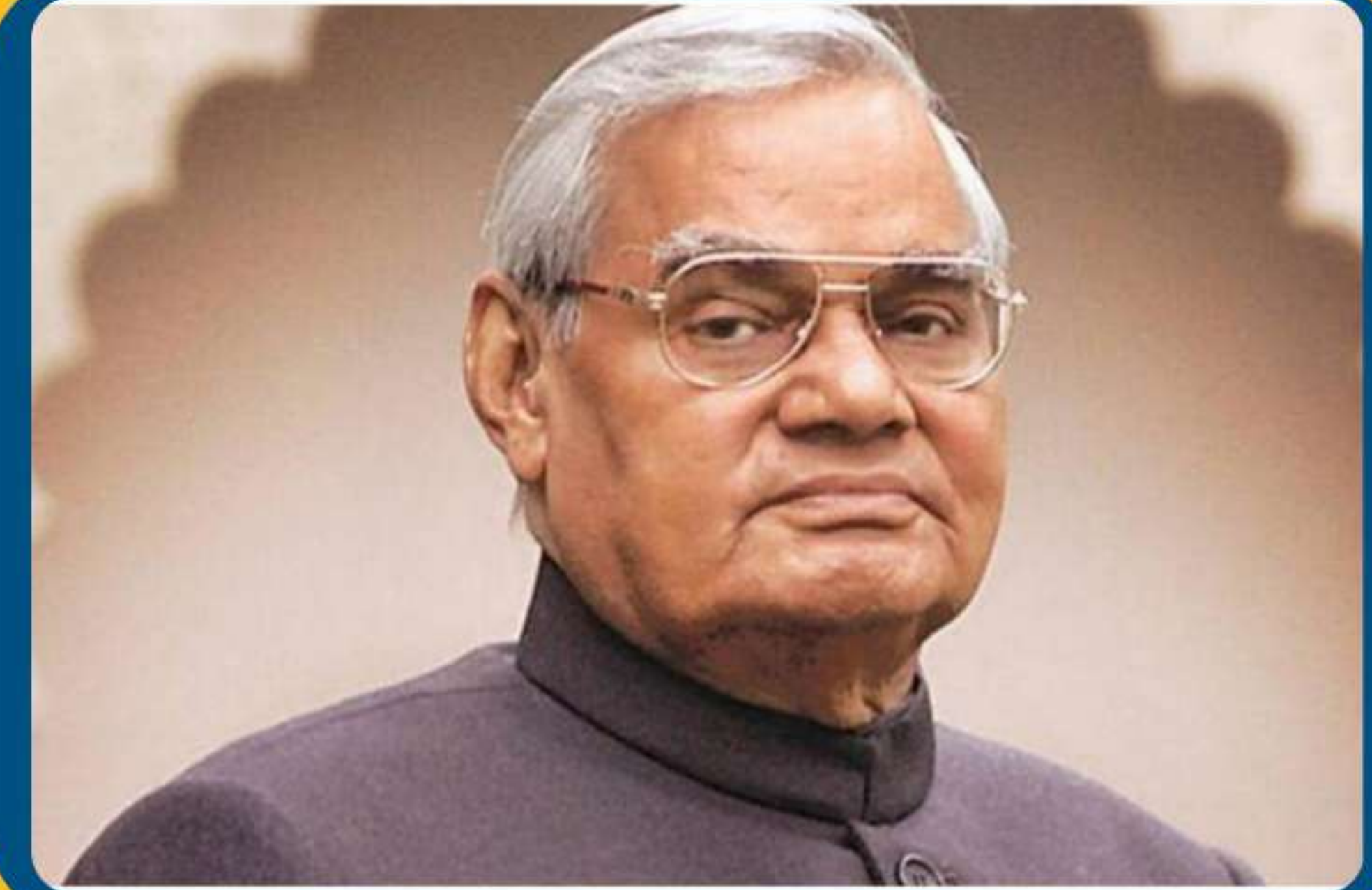
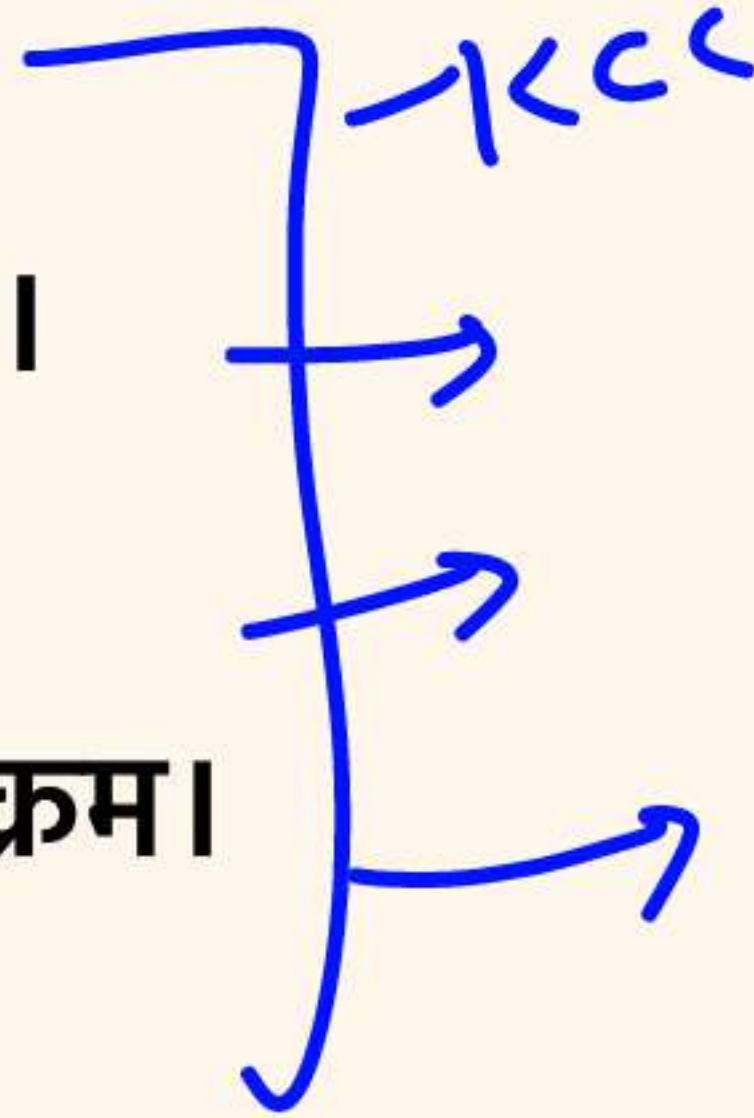
2015 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## वाजपेयी के शासनकाल की उपलब्धियां:

- किसान क्रेडिट कार्ड।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना।
- सर्व शिक्षा अभियान।
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम।

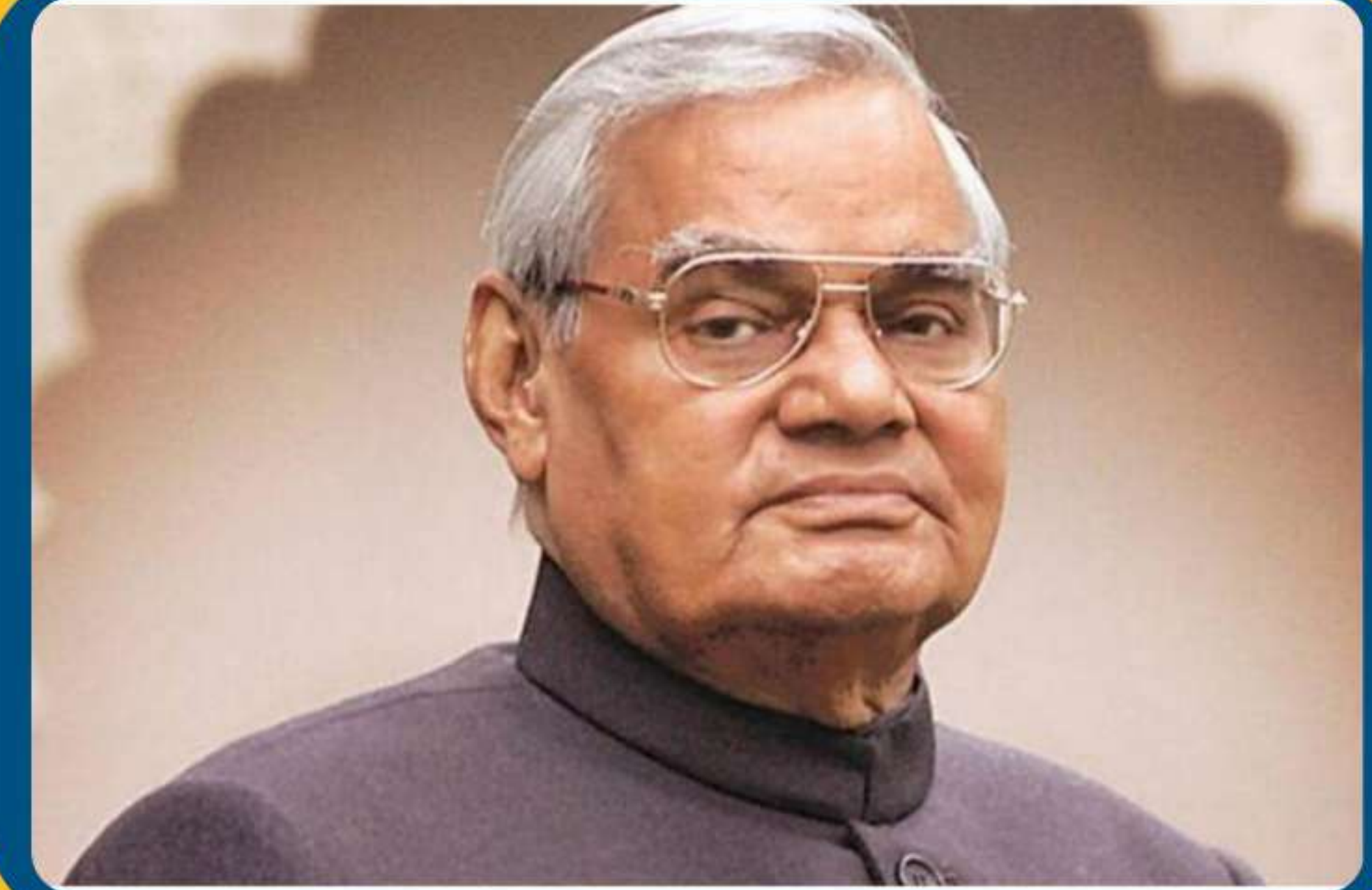




# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## विशेष कार्यक्रम:

- प्रधानमंत्री इस वर्ष वाजपेयी जी की 100वीं जयंती के अवसर पर स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे।
- 1,153 अटल ग्राम सुशासन भवनों की नींव रखी जाएगी, जो ग्राम पंचायतों का समर्थन करेंगे।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## सुशासन सप्ताह (19-25 दिसंबर):

- यह सप्ताह सुशासन के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सरकारी सेवाओं को पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए समर्पित है।
- नागरिकों और सरकारी अधिकारियों के बीच जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

सुशासन सप्ताह (19-25 दिसंबर):

महत्व:

- सुशासन दिवस वाजपेयी जी की दृष्टि और विरासत को सम्मानित करता है।
- यह भारत में शासन सुधारने के प्रयासों को प्रेरित करता है।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## सुशासन क्या है?

सुशासन का अर्थ है प्रभावी, सक्षम, जवाबदेह और पारदर्शी प्रशासन जो संसाधनों तक समान पहुंच, कानून का पालन और निर्णय-निर्माण में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करता है।

इसके मुख्य सिद्धांत निम्नलिखित हैं:

- जवाबदेही और पारदर्शिता।
- नागरिकों की जरूरतों के प्रति संवेदनशीलता।
- कानून का शासन और समावेशिता।
- संसाधनों के उपयोग में समानता और दक्षता।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

- अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री के रूप में संस्थागत सुधारों, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित नीतियों पर जोर दिया, जिससे सुशासन की नींव मजबूत हुई:

मुख्य पहलें:

- किसान क्रेडिट कार्ड: किसानों के लिए ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY): ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाकर आर्थिक अवसरों में वृद्धि की।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

मुख्य पहलें:

- सर्व शिक्षा अभियान: प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने का प्रयास।
- राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम: कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया।
- आईटी और टेलीकॉम क्रांति: भारत के तकनीकी और संचार क्षेत्र को आधुनिक बनाने पर ध्यान दिया।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

शासन में उनकी विरासत:

- लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत किया।
- सहकारी संघवाद और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को बढ़ावा दिया।
- सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के लिए आधारशिला रखी।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## भारत में सुशासन का विकास

प्राचीन भारत में अवधारणा:

- सुशासन का सिद्धांत प्राचीन भारत में धर्म सिद्धांत से जुड़ा है, जिसमें राजा को जनता के कल्याण के प्रति नैतिक और कानूनी रूप से उत्तरदायी माना गया।
- रामायण, महाभारत और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में शासन और नीति निर्माण के नियमों को स्पष्ट किया गया है।
- कौटिल्य की नीतियां राज्य की सुरक्षा, नागरिकों की भलाई, न्याय, जवाबदेही और प्रभावी शासन पर आधारित थीं।





# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## भारत में सुशासन का विकास

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान:

- जवाहरलाल नेहरू ने 14 अगस्त 1947 को अपने "नियति से साक्षात्कार" भाषण में सुशासन को गरीबी, अशिक्षा, बीमारी और अवसरों की असमानता को समाप्त करने के रूप में परिभाषित किया।
- सुशासन को सामाजिक-आर्थिक विकास और नागरिकों की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता से जोड़ा गया।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## भारत में सुशासन का विकास

स्वतंत्र भारत के बाद:

- पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से विकास योजनाओं पर जोर दिया गया।
- 73वें और 74वें संविधान संशोधन के जरिए पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकायों के माध्यम से लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण लागू किया गया।
- सामाजिक न्याय और समावेशिता के लिए कानून बनाए गए।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## भारत में सुशासन का विकास

आधुनिक भारत में सुशासन:

- ई-गवर्नेंस: डिजिटलीकरण ने सरकारी प्रक्रियाओं को पारदर्शी और प्रभावी बनाया।
- सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI): नागरिकों को सरकारी कामकाज में जवाबदेही सुनिश्चित करने का अधिकार मिला।
- आधार: नागरिकों की पहचान और सरकारी सेवाओं तक पहुंच को सुव्यवस्थित किया गया।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## भारत में सुशासन का विकास

आधुनिक भारत में सुशासन:

- डिजिटल इंडिया: तकनीकी क्रांति से नागरिक सेवाओं को तेज और सुलभ बनाया गया।
- सुशासन सूचकांक: राज्यों के प्रदर्शन का आकलन और सुधार को बढ़ावा देने के लिए लागू किया गया।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## भारत में सुशासन का विकास

नए आयाम:

- नीति आयोग: पुराने योजना आयोग को बदलकर सुधार और विकास पर केंद्रित संगठन बनाया गया।
- जन धन योजना: वित्तीय समावेशन और पारदर्शी बैंकिंग प्रणाली को बढ़ावा दिया गया।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना: ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को मजबूत किया।



# अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान

## भारत में सुशासन का विकास

नए आयाम:

- कृषि सुधार और सामाजिक योजनाएं: जैसे किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत।
- उज्ज्वला योजना: गरीब परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान करना।





## निष्कर्ष:



- ▶ भारत में सुशासन का विकास प्राचीन धर्म और न्याय की परंपराओं से आधुनिक डिजिटलीकरण और नागरिक-केंद्रित पहलों तक का सफर तय कर चुका है। यह शासन को पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने की दिशा में एक सतत प्रयास है।

# राज्यपालों की नियुक्ति







## चर्चा में क्यों?

- ▶ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 24 दिसंबर, 2024 को महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए पांच राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति की है और तीन अन्य को फिर से नियुक्त किया है।





## मुख्य बिंदु:

- ▶ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को पांच राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति और पुनर्नियुक्ति की।
- ▶ अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया। वे अनुसुइया उइके की जगह लेंगे। भल्ला मणिपुर में बढ़ते हुए जातीय संघर्ष और हिंसा के बीच नियुक्त हुए हैं।



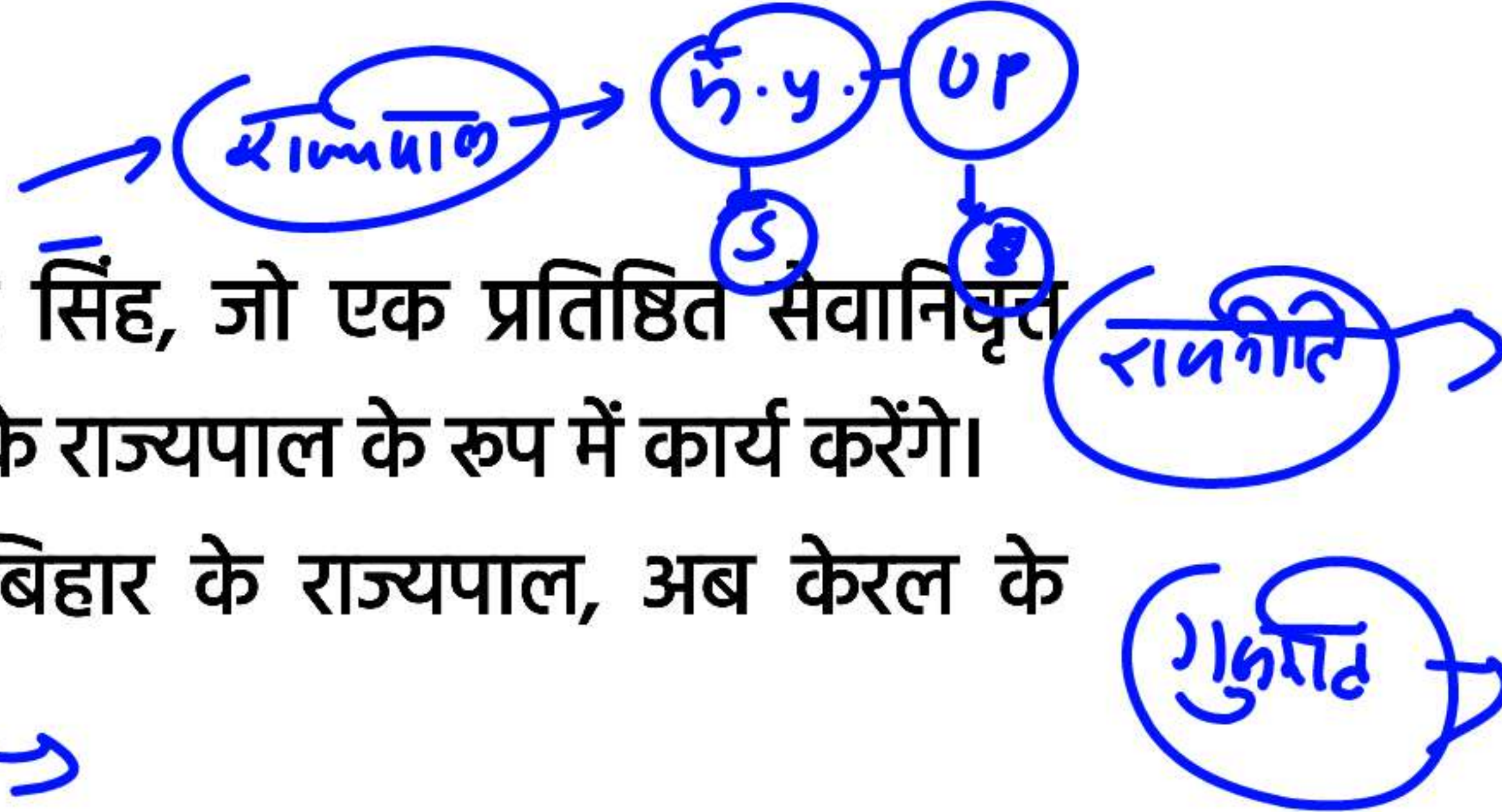
## मुख्य बिंदु:



- ▶ अरिफ मोहम्मद खान, जो पहले केरल के राज्यपाल थे, को अब बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। खान का राज्य सरकार के साथ लंबा विवाद रहा था।
- ▶ हरी बाबू कांभमपटी, जो मिजोरम के राज्यपाल थे, अब ओडिशा के राज्यपाल बनाए गए हैं।



## मुख्य बिंदु:



- ▶ जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, जो एक प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, अब मिजोरम के राज्यपाल के रूप में कार्य करेंगे।
- ▶ राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, बिहार के राज्यपाल, अब केरल के राज्यपाल बनाए गए हैं।



## राज्यपाल के बारे में

- ▶ राज्यपाल राज्य के कार्यपालिका प्रमुख होते हैं, लेकिन राष्ट्रपति की तरह, वे केवल संवैधानिक प्रमुख होते हैं। राज्यपाल केंद्र सरकार के एजेंट के रूप में भी कार्य करते हैं, जिससे उनका पद द्वैतीय भूमिका निभाता है।



## राज्यपाल के बारे में

### संवैधानिक प्रावधान:

- ▶ राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, और महाधिवक्ता मिलकर राज्य कार्यपालिका का गठन करते हैं।
- ▶ भारतीय संविधान के भाग VI में अनुच्छेद 153 से 167 तक राज्यपाल के कार्यालय से जुड़े प्रावधान दिए गए हैं।
- ▶ अनुच्छेद 153: प्रत्येक राज्य में एक राज्यपाल होगा, लेकिन एक व्यक्ति दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।



## राज्यपाल के बारे में

### राज्यपाल की नियुक्ति:

- ▶ अनुच्छेद 155 के तहत, राष्ट्रपति राज्यपाल की नियुक्ति अपने हस्ताक्षर और मुहर के साथ करते हैं।
- ▶ राज्यपाल का चुनाव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नहीं होता, बल्कि उन्हें केंद्र सरकार द्वारा नामांकित किया जाता है।



## राज्यपाल के बारे में

**सुप्रीम कोर्ट का मत (हरगोविंद पंत केस, 1979):**

▶ राज्यपाल का पद केंद्र सरकार के अधीन नौकरी नहीं है।

यह एक स्वतंत्र संवैधानिक पद है।

▶ यह कनाडाई मॉडल से प्रेरित है, जहां केंद्र सरकार राज्यपाल की नियुक्ति करती है।





## राज्यपाल के बारे में

### चुनाव के बजाय नियुक्ति क्यों?

- ▶ विधानसभा के साथ संघर्ष से बचने, लागत कम करने और तटस्थता बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति द्वारा नामांकन को चुना गया।
- ▶ प्रत्यक्ष चुनाव क्षेत्रवाद को बढ़ावा दे सकते थे।



## राज्यपाल के बारे में

सरकारिया आयोग की सिफारिशें:

नियुक्ति

- ▶ राज्यपाल को प्रतिष्ठित और गैर-राजनीतिक होना चाहिए।
- ▶ उन्हें राज्य से बाहर का होना चाहिए और स्थानीय राजनीति से दूर रहना चाहिए।
- ▶ मुख्यमंत्री से परामर्श को संवैधानिक रूप से शामिल करने की सिफारिश।



## राज्यपाल के बारे में

राज्यपाल के लिए योग्यता (अनुच्छेद 157):

- ▶ भारतीय नागरिक होना आवश्यक।
- ▶ न्यूनतम आयु 35 वर्ष।



## राज्यपाल के बारे में

### शपथ ग्रहण:

- ▶ राज्यपाल शपथ लेते हैं कि वे संविधान और कानून का संरक्षण करेंगे।
- ▶ शपथ संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश या वरिष्ठ न्यायाधीश द्वारा दिलाई जाती है।



## राज्यपाल के बारे में

### पद की शर्तें (अनुच्छेद 158):

- ▶ राज्यपाल संसद या राज्य विधानमंडल के सदस्य नहीं हो सकते।
- ▶ पद ग्रहण करने के बाद, वे किसी अन्य लाभ के पद पर कार्य नहीं कर सकते।
- ▶ उन्हें राजभवन में बिना किराया दिए रहने की सुविधा मिलती है।



## राज्यपाल के बारे में

पद की शर्तें (अनुच्छेद 158):

- ▶ यदि एक व्यक्ति कई राज्यों का राज्यपाल होता है, तो उनके भत्ते संबंधित राज्यों के बीच विभाजित होते हैं।
- ▶ उनके वेतन और भत्ते कार्यकाल के दौरान घटाए नहीं जा सकते।



## राज्यपाल के बारे में

### विशेषाधिकार और उन्मुक्ति:

- ▶ राज्यपाल को आधिकारिक कार्यों के लिए व्यक्तिगत कानूनी दायित्व से छूट प्राप्त है।
- ▶ कार्यकाल के दौरान, राज्यपाल को आपराधिक मामलों में प्रतिरक्षा प्राप्त होती है और उन्हें गिरफ्तार या कैद नहीं किया जा सकता।
- ▶ व्यक्तिगत कार्यों के लिए दीवानी मामले चलाए जा सकते हैं, बशर्ते दो महीने का नोटिस दिया जाए।



## राज्यपाल के बारे में

### कार्यकाल और स्थानांतरण:

- ▶ राज्यपाल का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है, लेकिन यह राष्ट्रपति की इच्छा पर निर्भर करता है। ✓
- ▶ राज्यपाल अपने पद से त्यागपत्र राष्ट्रपति को सौंप सकते हैं।
- ▶ राष्ट्रपति राज्यपाल का स्थानांतरण, पुनर्नियुक्ति, या कार्यकाल बढ़ा सकते हैं।





## राज्यपाल के बारे में

### कार्यकाल और स्थानांतरण:

- ▶ असाधारण स्थिति में, जैसे राज्यपाल की मृत्यु, राज्य के मुख्य न्यायाधीश अस्थायी रूप से उनके कर्तव्यों का पालन कर सकते हैं।
- ▶ राज्यपाल को हटाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास होता है, और इसके लिए संविधान में कोई विशिष्ट आधार नहीं दिया गया है।

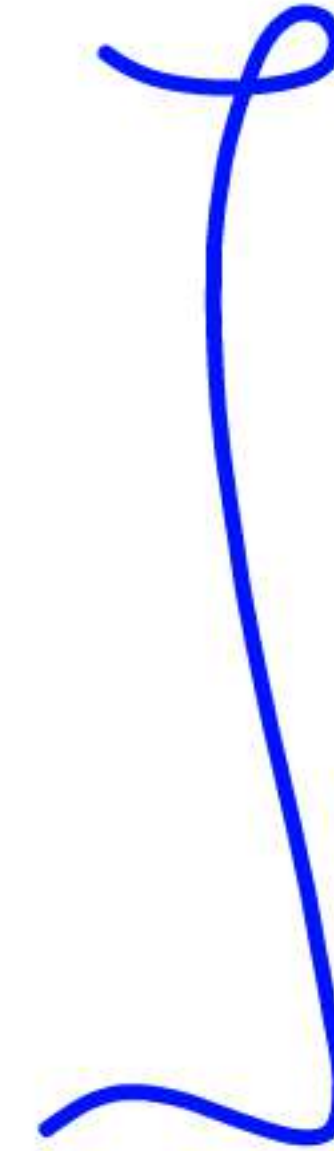


## राज्यपाल के बारे में

### शक्तियां और कार्य:

#### ▶ कार्यकारी शक्तियां:

- ▶ मुख्यमंत्री, मंत्रियों, महाधिवक्ता, राज्य चुनाव आयुक्त, और राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति।
- ▶ राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में कार्य करते हैं।
- ▶ राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकते हैं।





## राज्यपाल के बारे में

### शक्तियां और कार्य:

#### ▶ विधायी शक्तियां:

- ▶ विधानसभा सत्र बुलाना या स्थगित करना, अभिभाषण देना, और सदस्यों की नियुक्ति।
- ▶ विधेयकों पर वीटो शक्ति का प्रयोग करना।



## राज्यपाल के बारे में

### शक्तियां और कार्य:

#### ▶ वित्तीय शक्तियां:

- ▶ राज्य बजट की देखरेख और धन विधेयकों की स्वीकृति।
- ▶ हर पांच वर्ष में पंचायतों और नगरपालिकाओं की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए वित्त आयोग का गठन।



## राज्यपाल के बारे में

### शक्तियां और कार्य:

#### ▶ न्यायिक शक्तियां:

▶ राज्य कानूनों से संबंधित मामलों में क्षमा, दंड में कमी, और दंड माफी का अधिकार।

▶ उच्च न्यायालय के परामर्श से जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति, पदस्थापन और पदोन्नति।



## राज्यपाल के बारे में

### शक्तियां और कार्य:

#### ▶ न्यायिक शक्तियां:

- ▶ राज्य कानूनों से संबंधित मामलों में क्षमा, दंड में कमी, और दंड माफी का अधिकार।
- ▶ उच्च न्यायालय के परामर्श से जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति, पदस्थापन और पदोन्नति।



## राज्यपाल के बारे में

### संवैधानिक स्थिति:

- ▶ संविधान के अनुच्छेद 154, 163, और 164 के तहत राज्यपाल की स्थिति परिभाषित है।
- ▶ अनुच्छेद 154: राज्य की कार्यकारी शक्ति राज्यपाल में निहित है। //
- ▶ अनुच्छेद 163: मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद राज्यपाल को सलाह देती है, सिवाय विवेकाधीन मामलों के।
- ▶ अनुच्छेद 164: मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति जिम्मेदार होती है।



## राज्यपाल के बारे में

### राज्यपाल बनाम राष्ट्रपति:

- ▶ राज्यपाल कुछ मामलों में विवेकाधिकार का प्रयोग कर सकते हैं, जबकि राष्ट्रपति के लिए ऐसा प्रावधान नहीं है।
- ▶ 42वें संविधान संशोधन (1976) के बाद, राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद की सलाह माननी होती है, लेकिन राज्यपाल पर यह लागू नहीं है।





## राज्यपाल के बारे में

### संवैधानिक विवेकाधिकार:

- ▶ राज्यपाल के पास यह तय करने का अंतिम अधिकार है कि कोई मामला उनके विवेकाधिकार में आता है या नहीं।
- ▶ संविधान में उल्लिखित विवेकाधिकार, जैसे राष्ट्रपति को विधेयक भेजना या राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करना।



## राज्यपाल के बारे में

### स्थिति-जन्य(Situational) विवेकाधिकार:

- ▶ राज्यपाल राजनीतिक परिस्थितियों के आधार पर छुपा विवेकाधिकार अपनाते हैं, जैसे स्पष्ट बहुमत न होने पर मुख्यमंत्री की नियुक्ति।
- ▶ मंत्रिपरिषद को बहुमत सिद्ध न कर पाने पर बर्खास्त करना या विधानसभा भंग करना।

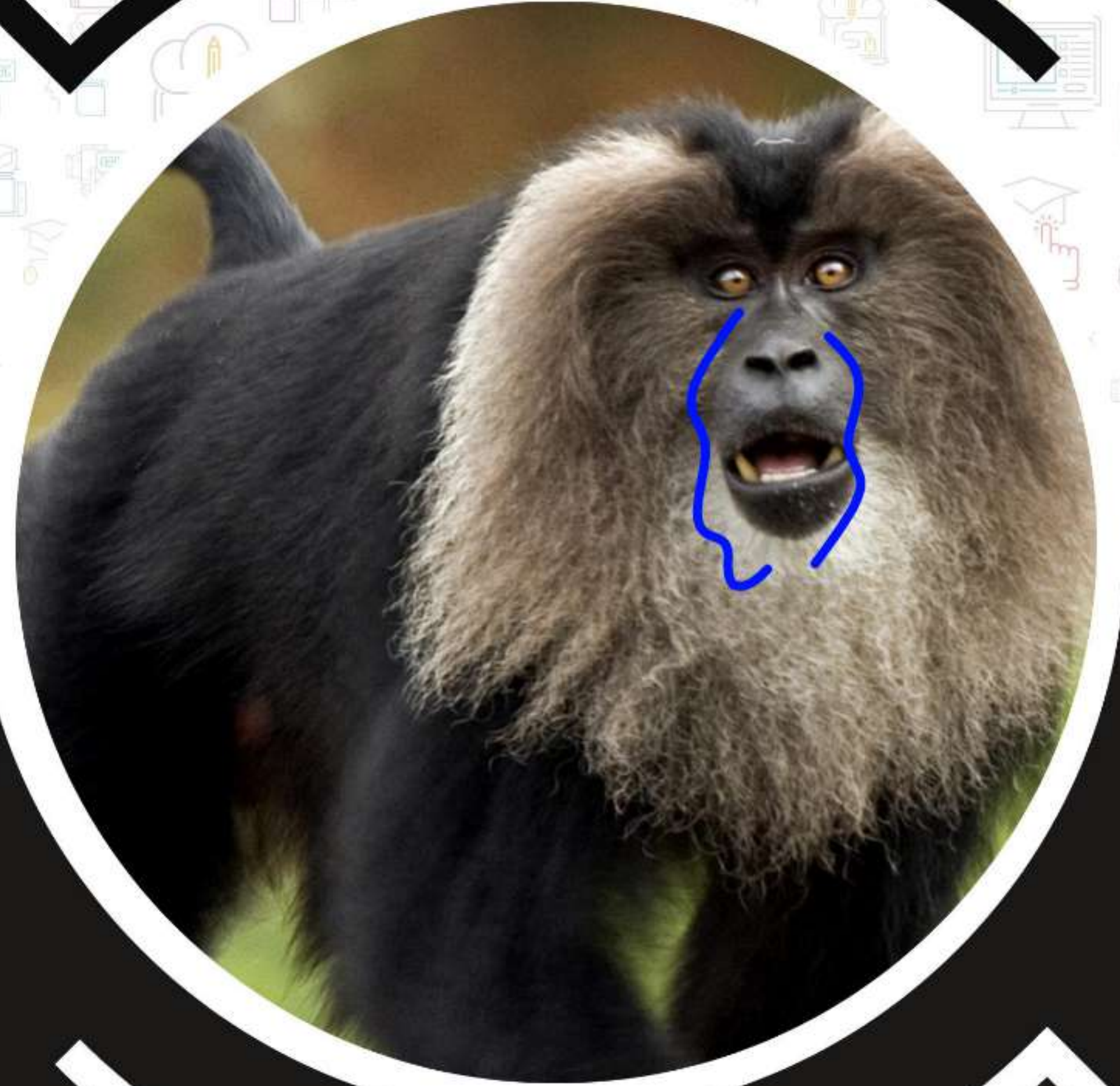


## राज्यपाल के बारे में

### विशेष जिम्मेदारियां:

- ▶ राष्ट्रपति के निर्देश पर राज्यपाल को विशेष जिम्मेदारियां निभानी होती हैं।
- ▶ हालांकि मुख्यमंत्री की सलाह ली जाती है, अंतिम निर्णय राज्यपाल के विवेक पर निर्भर करता है।

# लायन टेल मोकाफ





## चर्चा में क्यों?

- ▶ मानव और वन्यजीवों, खासकर गैर-मानव प्राइमेट्स के बीच बढ़ती बातचीत उन इलाकों में चिंता का कारण बन रही है, जहां सड़कों और बागानों ने उनके प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंचाया है। यह पश्चिमी घाट में संकटग्रस्त लायन-टेल्ड मैकाक के लिए गंभीर खतरा बन रहा है।





## प्रमुख बिंदु:



- ▶ लायन-टेल्ड मैकाक, पश्चिमी घाट का स्थानिक और संकटग्रस्त प्राइमेट, मानव हस्तक्षेप और भोजन की निर्भरता से खतरे में है।
- ▶ अध्ययन के अनुसार, 25% मैकाक आबादी मानवों के साथ बातचीत करती है, जिसमें पर्यटकों से भोजन लेना, कचरा छानना और मानव बस्तियों में प्रवेश शामिल है।



## प्रमुख बिंदु:

- ▶ भोजन की निर्भरता से कुपोषण, बीमारियाँ सड़क दुर्घटनाओं और मानव आक्रामकता का खतरा बढ़ता है।
- ▶ वालपराई, नेलियाम्पथी और सबरीमाला जैसे पर्यटन स्थलों में यह समस्या गंभीर है, जहाँ लायन-टेल्ड मैकाक मानव भोजन पर निर्भर हो रहे हैं।



## प्रमुख बिंदु:



- ▶ वालपराई क्षेत्र में दशकों से मानव-मैकाक परस्पर क्रिया देखी गई है, जहां करीब 180 मैकाक नियमित रूप से मानवों के साथ संपर्क करते हैं।
- ▶ पर्यटक भोजन प्रदान करने से उनके प्राकृतिक आहार व्यवहार में बदलाव आया है और संघर्ष बढ़ा है।





## प्रमुख बिंदु:

- ▶ मानव हस्तक्षेप से मैकाक में रोग, चोट, सड़क दुर्घटनाएं और तनाव-जनित मृत्यु दर बढ़ रही है।
- ▶ लायन-टेल्ड मैकाक को IUCN रेड लिस्ट में संकटग्रस्त और CITES के परिशिष्ट I में संरक्षित सूचीबद्ध किया गया है।



## प्रमुख बिंदु:



- ▶ शोधकर्ताओं ने जनता को जागरूक करने, भोजन प्रावधान पर प्रतिबंध लागू करने और आवास बहाली को प्रोत्साहित करने की सिफारिश की है।
- ▶ त्वरित कार्रवाई के अभाव में, यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पर पहुंच सकती है।

# लायन-टेल्ड मैकाक के बारे में

- लायन-टेल्ड मैकाक, भारत के पश्चिमी घाटों की सदाबहार वर्षा वनों में पाई जाने वाली संकटग्रस्त प्राइमेट प्रजाति है, जो कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में फैली हुई है।
- यह ओल्ड वर्ल्ड मंकी प्रजाति का हिस्सा है। ओल्ड वर्ल्ड मंकी परिवार (Cercopithecidae) के प्राइमेट हैं, जिनमें बबून, रेड कोलोबस और मैकाक शामिल हैं।



# लायन-टेल्ड मैकाक के बारे में

- लायन-टेल्ड मैकाक सबसे छोटे मैकाक प्रजातियों में से एक है, जिसका वजन 2-10 किलोग्राम और शरीर की लंबाई 42-61 सेंटीमीटर होती है, साथ ही इसकी 25 सेंटीमीटर लंबी पूंछ होती है, जिसमें नर में काले बालों का गुच्छा अधिक स्पष्ट होता है।
- इसके काले बाल और सिर व ठोड़ी के चारों ओर हल्के रंग का विशिष्ट अयाल इसे "दाढ़ी वाला वानर" नाम देते हैं।



# लायन-टेल्ड मैकाक के बारे में

- "वांडेरु" <sup>वांडेरु</sup> के नाम से भी जाना जाने वाला यह मैकाक प्रजाति अकेले रहना पसंद करती है और शर्मीली होती है। ये 10-20 सदस्यों के परिचित समूह में रहते हैं।
- यह क्षेत्रीय और अत्यधिक संवादात्मक प्राणी है, जिसमें नर अपनी सीमाओं को कॉल्स के माध्यम से परिभाषित करते हैं।



# लायन-टेल्ड मैकाक के बारे में

- समूह के प्रभुत्व वाले नर ज़ोर से मानवीय "हु हू" जैसी आवाज़ निकालते हैं, जो बाहरी लोगों को उनके क्षेत्र में प्रवेश करने पर चेतावनी देती है।
- लायन-टेल्ड मैकाक भारत के शुष्क वनों और उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में पाए जाते हैं। ये कनटक, केरल और तमिलनाडु के पश्चिमी घाटों में स्थानिक हैं।



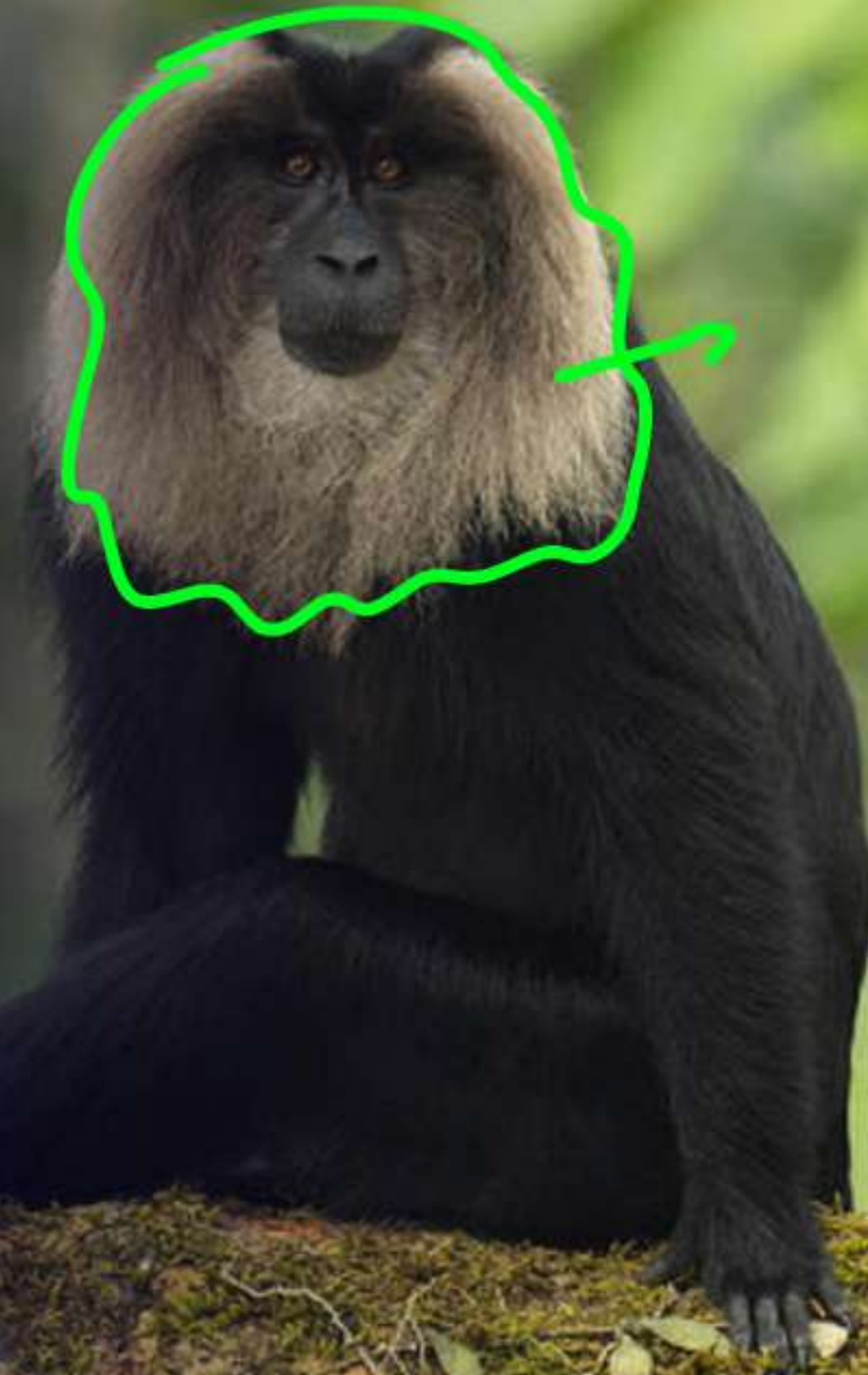
# लायन-टेल्ड मैकाक के बारे में

- यह प्रजाति अपने समय का अधिकांश भाग घने और आर्द्र वनों के ऊंचे पेड़ों पर बिताती है।
- यह निशाचर और वृक्षवासी प्राणी है, जो रात में वर्षावनों की ऊंची छतरी पर सोते हैं।
- इनकी दो उप-आबादियां केरल के पालघाट पहाड़ों में लगभग 40 किमी की दूरी से अलग हैं।



# लायन-टेल्ड मैकाक के बारे में

- यह सर्वाहारी प्राणी है और विभिन्न प्रकार के भोजन का उपभोग करता है, जिसमें फल उनका मुख्य आहार हैं।
- इसका नाम शेर जैसे पतले, लंबे और गुच्छेदार पूंछ के कारण पड़ा है। इनके चेहरे के चारों ओर ग्रे अयाल होता है।
- यह विश्व के सबसे छोटे मैकाक प्रजातियों में से एक है।





# लायन-टेल्ड मैकाक के बारे में

संरक्षण स्थिति:

- IUCN: संकटग्रस्त (Endangered)
- CITES: परिशिष्ट I (Appendix I)
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची I (Schedule I)



*Thank You*